रक्षाबंधन पर्व | परम्परागत तरीके से मनाया रक्षाबंधन, जमकर बिकी मिठाई

बहनों ने प्यार से सजाई भाईयों की शुभ योग में कलाई

मंडला 9 अगस्त नभाप्र. भाई-बहन के प्यार का प्रतीक एवं दायित्व का बोध कराता पावन पर्व रक्षाबंधन मंडला जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र के रूप में राखी बांधी और भाइयों ने बहनों को समर्थ अनुसार उपहार भेंट किए एवं उनकी रक्षा का संकल्प लिया। बहनें सुंदर डिजाइनर परिधानों में सज-धजकर भाइयों के घर पहुंची और उन्हें राखी बांध कर लंबी आयु की कामना की। वैसे तो इस वर्ष रक्षाबंधन पर भद्रा का साया नहीं रहा, जिसके कारण बहनों ने अपने भाईयों को राखी बांधी। सुबह से ही राखी बांधने का सिलसिला शुरू हुआ जो देर रात्रि तक चला। जानकारी अनुसार इस वर्ष रक्षाबंधन पर 3 शुभ योग बने, जिसमें सौभाग्य योग, शोभन योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का अद्भुत संयोग बना। ऐसा दुर्लभ संयोग 95 साल बाद आया। जिसके कारण इस वर्ष रक्षाबंधन पर्व खास रहा। वहीं इस वर्ष रक्षाबंधन पर भद्रा का साया भी नहीं रहा है। जिसके कारण यह पर्व और भी खास हो गया। रक्षाबंधन पर्व मिठाइयाँ, ठिठोलियाँ, नोक-झोंक और असीम प्यार से भरा राखी का त्योहार है, जो सदियों से हम मनाते आ रहे है। सावन के अंतिम दिन भाई-बहन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन जिले भर में धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाईयों की कलाईयों पर राखी बांधकर मुंह मीठा कराया और तिलक लगाकर उनकी दीर्घायु की कामना की। भाईयों ने बहनों को रक्षा का वचन दिया। दिन भर बाजारों में खूब रौनक रही। मिठाई और राखियों की जमकर बिक्री हुई।

मेहंदी से सजाए अपने हाथ

बहनों ने इस पर्व के लिए खास तैयारी कर रखी थी। भारतीय परम्परानुसार परिधान तो उन्होंने धारण किए ही। मेहंदी से भी अपने हाथों को सजाने में उन्होंने कोई कोर कसर नही छोडी। रात्रि से ही बहनों ने अपने हाथों में आकर्षक मेहंदी रचाना शुरू दी थीं। बच्चों के साथ-साथ बड़े भी अपनी बहनों से राखी बंधवाने के लिए उत्साहित नजर आए। ऐसे भाई जिनकी बहनें अपने ससुरालों से भाई को राखी बांधने मायके नही आ सकी, वे देर शाम अपनी बहनों से राखी बंधवाने रवाना हो गए। रक्षाबंधन को लेकर बाजार में भी रौनक थी। त्यौहार के दिन केवल दोपहर तक बाजार में चहल पहल नजर आई। उसके बाद धीरे-धीरे शहर की सड़कें सूनी होती चली गई। लोग अपने घरों में ही अपने परिजनों के साथ त्यौहार का आनंद ले रहे थे।

घर में बनी राखियां बांधी

कुछ लोगों ने अपने घर में ही अपने हाथों से राखियां बनाई। चीनी राखियों का बहिष्कार किया गया। जिसके चलते नगर के बच्चों ने अपने घरों में राखियां तैयार की। नगर के बहुत से बच्चों ने अपने घर पर राखी तैयार की और रक्षाबंधन के दिन अपने भाईयों को यहीं राखी बांधी। बच्चों ने आमजन से अपील की है कि चीनी सामग्री ना खरीद कर चीनी सामग्री का बहिष्कार कर भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में सहयोग करें।

भाईयों को राखी बांधने पहुंची बहने

जिला मुख्यालय स्थित मंडला जेल में भी बहने अपने भाईयों को राखी बांधने पहुंची। जहां बहने अपने भाईयों को देख बहुत खुश हुई और उनके हाथों में राखी बांध अपने भाईयों को आर्शीवाद दिए।

दिया रक्षा का वचन

भाई-बहन के पवित्र प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन नगर सहित समूचे जिले में पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। रक्षाबंधन पर्व को लेकर नन्हें भाई बहनों में खासा उत्साह नजर आया। बच्चे नए कपड़े पहनकर अपनी बहनों से राखी बंधवाने का इंतजार करते रहे। बहनों ने परम्परागत तरीके से अपने भाईयों को बड़े ही स्नेह से चौका सजाया उस पर पीढ़ा रखा, जिस पर भाई को बिठाया गया। स्नेह और प्रेम के साथ पहले बहिनों ने भाई के सिर पर रूमाल रखा, तिलक लगाकर राखी बांधी और फिर आरती उतारी। भाईयों ने भी उम्र भर उनकी रक्षा करने का वचन दिया। ऐसे भाई बहन जो काफी छोटे थे, उनकी माताओं ने राखी बांधने और तिलक लगाने में अपनी बेटियों की मदद की।

बच्चों ने की जमकर मस्ती

राखी बंधवाने के बाद शुरू हुआ बच्चों की शरारतों का सिलसिला। बच्चे जानते थे कि आज उनका दिन है और इस दिन उन्हें अपने माता पिता की डांड नही खानी पड़ेगी, इसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया और दिन भर मौज मस्ती कर व्यतीत किया। उसके बाद भाईयों ने अपने स्वेच्छानुसार उन्हें भी उपहार स्वरूप कुछ न कुछ दिया। बहनों ने खुश होकर भाईयों की मनपसंद चीजें घर में बनाई। भाई बहन का पर्व होने के चलते बहनों ने खाने में अपने भाईयों की पसंद और न पसंद का पूरा ख्याल रखा। उन्होंने पूरी रसोई ही अपनी भाईयों के रूचि अनुसार ही तैयार की।

पवित्र प्रेम और मधुर संबंध का प्रतीक है रक्षाबंधन पर्व

कैदी भाइयों को किया अपनी बुराइयों और व्यसनों को छोड़ने के लिए प्रेरित

ब्रह्माकुमारीज ने विभिन्न स्थानों पर मनाया रक्षाबंधन का पर्व

मंडला 9 अगस्त नभाप्र. प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने रक्षाबंधन का पर्व जिले के कई प्रमुख संस्थानों में हर्षोल्लास के साथ मनाया। ब्रह्माकुमारी बहनों ने इस अवसर पर जेल, 148वीं बटालियन (सीआरपीएफ), जस्टिस तंखा मेमोरियल रोटरी स्कूल, आदर्श बाल गृह, वृद्धाश्रम और जिला योजना भवन में जाकर सभी को रक्षासूत्र बांधा।

जेल में आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी ओमलता दीदी ने कैदियों को संबोधित करते हुए रक्षाबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह पर्व पवित्र प्रेम और मधुर संबंधों का प्रतीक है और कैदी भाइयों को अपनी बुराइयों और व्यसनों को छोड़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान जेल अधीक्षक संजय सहलाम और अन्य स्टाफ भी मौजूद रहे।

इसी तरह 148वीं बटालियन में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कमांडेंट विक्रांत सारंगपाणि सहित सभी जवानों को राखी बांधी गई। ब्रह्माकुमारी ओमलता दीदी ने रक्षासूत्र के आध्यात्मिक रहस्य को बताते हुए कहा कि यह आत्मस्मृति, एकता और दृढ़ता का प्रतीक है। जस्टिस तंखा मेमोरियल रोटरी स्कूल फॉर स्पेशल चिल्ड्रन के बच्चों को भी ब्रह्माकुमारी लक्ष्मी बहन ने राखी बांधी और उन्हें रक्षाबंधन का महत्व समझाया। जिला योजना भवन में राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी ममता दीदी और ओमलता दीदी ने अपर कलेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह, सीएमओ गजानन नाफड़े और बैंक अधिकारियों को राखी बांधी। इसके साथ ही राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी ममता दीदी, ब्रह्माकुमारी ओमलता दीदी ने मंडला कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा को भी उनके कार्यालय में जाकर राखी बांधी। इस दौरान

ब्रह्माकुमारी बहनों ने सभी से शुभ संकल्प पत्र भरवाए और मुख मीठा कराया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से ब्रह्माकुमारीज ने समाज में प्रेम, सद्भावना और सकारात्मकता का संदेश दिया।

हर्षोल्लास से मनाया रक्षाबंधन पर्व, भाईयों ने बहनों को दिया सुरक्षा का वचन

भुआबिछिया 9 अगस्त नभाप्र. भुआ-बिछिया में भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का पर्व रक्षाबंधन शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दूर-दराज से बहनें अपने भाईयों के घर पहुंची और उनकी कलाई पर स्नेह और प्यार का प्रतीक रक्षासूत्र बांधा। बताया गया कि यह पर्व श्रावण माह की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। शुभ मुहूर्त में बहनों ने अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी आरती उतारी, मिठाई खिलाई और फिर उनकी कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनकी लंबी आयु की कामना की। बदले में भाईयों ने भी बहनों को उपहार दिए और उनकी रक्षा करने का वचन दोहराया। रक्षाबंधन के पर्व के कारण शनिवार की सुबह से ही कस्बों और शहरों में खासी चहल-पहल देखी गई। मिठाई और फलों की दुकानों पर ग्राहकों की लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं।

एनएच-30 के फूलसागर पुल में ट्रक-कार की टक्कर

मंडला 9 अगस्त नभाप्र. कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित नेशनल हाईवे 30 मे शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। जबलपुर मार्ग पर फूलसागर पुल पर एक मिनी ट्रक और कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयावह थी कि मिनी ट्रक पुल की मजबूत रेलिंग को तोड़ते हुए पुल में लटक गया, जबकि कार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इस हादसे में कार चालक को मामूली चोटें आई हैं, जिसे तत्काल जिला अस्पताल मंडला पहुंचाया गया। इस दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और यातायात पुलिस मौके पर पहुंची। क्रेन की मदद से वाहनों को हटाने के लिए करीब एक घंटे तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, जिसके बाद यातायात को दोबारा शुरू किया जा सका। स्थानीय लोगों ने बताया कि पुल की रेलिंग पहले से ही जर्जर हालत में थी और इसकी मरम्मत की आवश्यकता लंबे समय से बनी हुई है। उन्होंने आशंका जताई कि ऐसे में इस तरह के हादसे किसी भी दिन एक बड़ी घटना का रूप ले सकते हैं। इस घटना के बाद सड़क पर जाम लग गया था, जिसे पुलिस ने वाहनों को किनारे करके सामान्य किया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस ने फिलहाल दोनों वाहनों के चालकों से पूछताछ शुरू कर दी है और मामले की जांच कर रही है।

मेरिट छात्रवृत्ति आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 अगस्त

मंडला। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति योजना अन्तर्गत चयन परीक्षा सत्र 2025-26 का आयोजन 12 अक्टूबर को निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में किया जाएगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी मुन्नी बरकडे ने बताया कि मप्र में स्थित केवल शासकीय, शासकीय अनुदान प्राप्त एवं स्थानीय निकायों द्वारा संचालित विद्यालयों में वर्ष 2025-26 में कक्षा आठवीं में नियमित रूप से अध्ययनरत ऐसे विद्यार्थी ही इस परीक्षा के लिए पात्र होंगे जिन्होंने कक्षा सातवीं में कम से कम 55 प्रतिशत अंक व समकक्ष ग्रेड प्राप्त किया हो।

रक्षाबंधन पर मातम, दो बाइक की टक्कर में 4 की मौत, दो घायल

जीजा-साले और दो बच्चों ने गंवाई जान

महाराजपुर थाना क्षेत्र के जारगा-जारगी ग्राम के पास हुई घटना

मंडला 9 अगस्त नभाप्र. रक्षाबंधन के पर्व के दौरान मंडला-सिवनी बॉर्डर पर स्थित जारगी गांव के पास एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। इस दुखद घटना में दो अन्य लोग घायल भी हुए हैं। यह हादसा उस समय हुआ जब दो तेज रफ्तार बाइकें आमने-सामने टकरा गईं। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने बताया कि शनिवार शाम करीब 4 बजे यह दुर्घटना हुई। एक बाइक पर सवार सिवनी जिले के किंदरई थाना क्षेत्र के ग्राम रजरवाड़ा निवासी एक ही परिवार के पांच लोग सिवनी से मंडला की ओर आ रहे थे। इनमें राजेंद्र कुशराम 38 वर्ष, उनकी पत्नी शकुन कुशराम 32 वर्ष, उनके दो बेटे सोहिल कुशराम 10 वर्ष और रविंद्र कुशराम 7 वर्ष और साला शिवप्रसाद मरावी 27 वर्ष शामिल थे। दूसरी बाइक जिस में विवेक कुमार काकोडिया 28 वर्ष सवार था जो मंडला से सिवनी की ओर जा रहा था। बताया गया कि दोनों बाइकों की जोरदार टक्कर के बाद राजेंद्र कुशराम और उनके दोनों बेटे सोहिल और रविंद्र, और साला शिवप्रसाद मरावी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं राजेंद्र की पत्नी शकुन कुशराम और दूसरी बाइक पर सवार विवेक कुमार काकोडिया गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है।

द वाटर बेल की शुरुआत, बच्चों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने किया जाएगा प्रेरित

मंडला जिला प्रशासन का नवाचार, स्कूल शिक्षा मंत्री से प्रदेश के स्कूलों में अपनाने की करेगी चर्चा, बच्चों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है पानी

मंडला 9 अगस्त नभाप्र. विद्यार्थियों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मंडला जिला प्रशासन ने एक नई पहल द वाटर बेल की शुरुआत की है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके ने जिला योजना भवन में इस नवाचार का शुभारंभ किया, जिसमें नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला पंचायत सदस्य शैलेष मिश्रा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा और पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, रानू राजपूत, एसी ट्राईबल वंदना गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी मुन्नी वरकड़े, रंजीत गुप्ता, एपीसी मुकेश पांडे सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अखिलेश उपाध्याय द्वारा किया गया। कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके ने कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों से संवाद करते हुए इस पहल के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अक्सर व्यस्तता के कारण हम पानी पीना भूल जाते हैं, जबकि चिकित्सकों के अनुसार दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन बहुत आवश्यक है। उन्होंने जिला प्रशासन को इस अभिनव पहल के लिए बधाई दी और कहा कि वह इस नवाचार को प्रदेश के सभी स्कूलों में लागू करने के लिए स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह से भी चर्चा करेंगी। मंत्री ने बच्चों से अपने माता-पिता को भी ज्यादा से ज्यादा पानी पीने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से घंटी बजाकर और द वाटर बेल से जुड़े पोस्टर का विमोचन कर इस अभियान की शुरुआत की।

2300 स्कूलों में लागू होगा यह नवाचार

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से इस नवाचार की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह पहल जिले के लगभग 2300 स्कूलों में शुरू की जा रही है। इसके तहत विद्यालय प्रबंधन एक निश्चित समय पर नियमित अंतराल पर एक विशेष घंटी बजाएगा, जिसे वाटर बेल कहा जाएगा। इस घंटी के बजते ही विद्यार्थी अपनी पानी की बोतल से या विद्यालय में उपलब्ध अन्य संसाधनों से पानी पीएंगे। कलेक्टर ने बताया कि यह पहल विद्यार्थियों को स्वस्थ और ऊर्जावान रखने, शैक्षणिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने, शरीर को हाइड्रेटेड रखने और एकाग्रता बढ़ाने में सहायक होगी।

सेंट्रल बैंक ने मनाई संस्थापक सोराबजी पोचखानवाला की जयंती

घुघरी 9 अगस्त नभाप्र. सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की घुघरी शाखा में शनिवार को बैंक के संस्थापक सर सोराबजी पोचखानवाला की 144वीं जयंती बड़े ही उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके योगदान को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत शाखा प्रबंधक जितेंद्र उइके और अन्य बैंक स्टाफ ने संस्थापक सर सोराबजी पोचखानवाला के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया।

इसके बाद जितेंद्र उइके ने बैंक के इतिहास और संस्थापक के महत्वपूर्ण योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस तरह सर पोचखानवाला ने 1911 में एक ऐसे बैंक की स्थापना की, जो पूरी तरह से भारतीयों द्वारा संचालित था। उन्होंने कर्मचारियों को उनके आदर्शों पर चलने और बैंक की प्रगति में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए प्रेरित किया। जयंती समारोह में बैंक के कैशियर अभिलेश झारिया, सोनाली मिश्रा, सतेंद्र यादव और सेंट्रल बैंक के कियोस्क सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने केक काटकर जयंती मनाई और बैंक के आदर्शों को बनाए रखने का संकल्प लिया।

ग्रामीण अधिकार मंच ने कजरवारा में चलाया आपदा जागरूकता कार्यक्रम

नैनपुर 9 अगस्त नभाप्र. गृह विभाग, मप्र शासन भोपाल और जिला आपदा प्राधिकरण मंडला के संयुक्त तत्वावधान में आपदा प्रबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत ग्रामीण अधिकार मंच संस्था मंडला, नैनपुर और बिछिया ब्लॉक के 20-20 चयनित गांवों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में नैनपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत कजरवारा में ग्राम पंचायत भवन में आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गांव की ग्राम संगठन समिति की महिलाओं, पंचायत प्रतिनिधियों, रोजगार सहायक, मोबलाइजर, मध्य प्रदेश और अभियान परिषद के जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी, ब्लॉक समन्वयक सीता उईके और सामाजिक कार्यकर्ता सुभाष वंशकार सहित कई लोग उपस्थित रहे। ग्रामीण अधिकार मंच समन्वयक अशोक जंघेला ने सबसे पहले प्रतिभागियों को संस्था का परिचय दिया। इसके बाद उन्होंने आपदा को एक घटना बताते हुए प्राकृतिक और मानवीय आपदाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने प्राकृतिक आपदाओं जैसे आकाशीय बिजली, भूकंप, बाढ़ और सर्प दंश से बचाव के तरीकों पर जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने घरेलू गैस से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव और उसकी पूर्व तैयारी पर भी विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में अशोक जंघेला ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यक्रम | धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस, पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए लोग

आदिवासी परंपरा और संस्कृति ने बांधा समा, जिले भर में निकली रैली

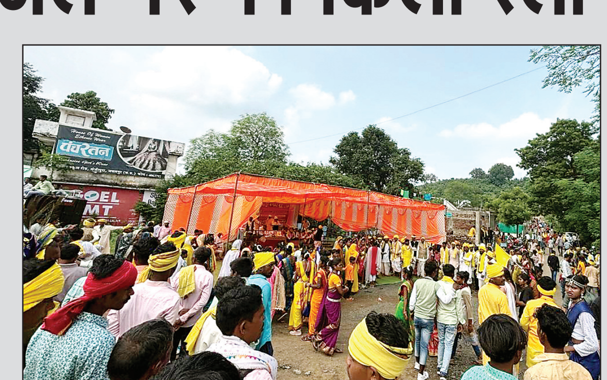

मंडला 9 अगस्त नभाप्र. मंडला जिले में विश्व आदिवासी दिवस बड़ी धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आदिवासी समाज के लोगों ने अपनी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और इतिहास को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। मंडला जिला मुख्यालय में स्टेडियम के पास कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजित सभा में आदिवासी लोक नृत्यों, पारंपरिक गीतों और सांस्कृतिक झांकियों ने समां बांध दिया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। कार्यक्रम की शुरुआत वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद एक भव्य रैली निकाली गई, जिसमें आदिवासी समुदाय के पुरुष, महिलाएं और बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे नजर आए। रैली में शामिल लोग ढोल-नगाड़ों की थाप और डीजे पर धुन में नाचते-गाते हुए चल रहे थे और जय आदिवासी के नारे लगा रहे थे। रैली जिला मुख्यालय के विभिन्न क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी और लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। बताया गया कि आदिवासी दिवस के अवसर पर पूरे जिले में विविध कार्यक्रम आयोजित किये गए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आदिवासी नृत्य करमा, शैला ने दर्शकों का मन मोह लिया। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से आदिवासी जीवन शैली, रीति-रिवाजों और प्राकृतिक प्रेम को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में स्थानीय नेताओं और अधिकारियों ने भी भाग लिया और आदिवासी समुदाय के लोगों को बधाई दी। उन्होंने आदिवासी समाज के विकास और उत्थान के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर वक्ताओं ने आदिवासी संस्कृति और अधिकारों के संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की पहचान उसकी अनोखी संस्कृति और परंपराओं में निहित है, जिसे संरक्षित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। यह आयोजन न केवल आदिवासियों के लिए गर्व का क्षण था, बल्कि गैर-आदिवासी समुदायों के लिए भी उनकी संस्कृति को समझने और सम्मान करने का एक अवसर था।